बरेली, सोमवार
4 मार्च, 2024
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO, 04, MIDDLE RIGHT

काया नाटक से बताया महिला शिक्षा का महत्व

जागरण संवाददाता, बरेली : रिद्धिमा कला केंद्र रविवार को महिला प्रधान नाटक काया का मंचन हुआ। रूबरू थिएटर के कलाकारों ने मंच पर नाटक के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा के महत्व बताया और प्रचलित कुप्रथाओं पर प्रहार किया। नाटक के माध्यम से संदेश दिया कि चाहे सामाजिक उत्थान हो महिलाओं को सशक्त बनाने की पहल, बिना शिक्षा के संभव नहीं।

विक्रम शर्मा द्वारा लिखित और काजल शूरी के निर्देशन में नाटक में काया की भूमिका गुंजन ने निभाई। नाटक की कहानी अनपढ़ विधवा महिला की है, जोकि गांव में फैली कुप्रथाओं से लड़ती है। मदद करने के नाम पर गांव का लड़का उसे कोठे पर बेंच देता है, जहां उसकी मदद एक शिक्षक करते हैं। इस दौरान उसका पति की आत्मा साय की तरह उसका मार्ग दर्शन करती हैं। बीच-बीच में दो आत्मायें उसकी स्थिति का वर्णन करती हैं। नाटक के अंत में काया गांव में नारी उत्थान खोलती है। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. निर्मल, डा. प्रभाकर आदि मौजूद रहे।

नाटक का मंचन करते कलाकार●सौ.संस्था